फुफेरी बहन की सील तोड़ी-4

“मैंने अंजलि की तरफ देखा तो उसने अपनी आँखें बंद की हुई थीं, होंठ भींचे हुए थे। मैंने अपनी कमर से थोड़ा दबाव बनाया, पर लंड अंजलि की कुंवारी चूत में इस बार भी नहीं जा पाया। फिर मैंने अपने पैरों से अंजलि के दोनों पैरों को और फैलाया और दुबारा अपनी कमर से दबाव […] …”

Story By: (amitchoduknp)
Posted: Monday, August 11th, 2014
Categories: भाई बहन
Online version: फुफेरी बहन की सील तोड़ी-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फुफेरी बहन की सील तोड़ी-4

> मैंने अंजलि की तरफ देखा तो उसने अपनी आँखें बंद की हुई थीं, होंठ भींचे हुए थे। मैंने अपनी कमर से थोड़ा दबाव बनाया, पर लंड अंजलि की कुंवारी चूत में इस बार भी नहीं जा पाया।
>
> फिर मैंने अपने पैरों से अंजलि के दोनों पैरों को और फैलाया और दुबारा अपनी कमर से दबाव बनाया। अब की बार मेरे लंड का थोड़ा सा सुपाड़ा ही अंजली की चूत में गया होगा, लेकिन उसकी चीख निकल गई, चूँकि घर में इस समय कोई और था नहीं। मैंने उसी पोजीशन में और दबाव बनाया।
> अबकी बार मेरे लंड का आधा सुपाड़ा अंजली की कुंवारी चूत में घुस गया था और इधर अंजलि लगातार चिल्ला रही थी।
>
> मैंने उसकी कमर को बहुत ही मजबूती से पकड़ रखा था, मैंने अपनी कमर से एक हल्का धक्का मारा, तो मेरा करीब आधा लंड अंजलि की चूत को फाड़ता उसके अन्दर घुस गया।

मैंने अंजलि के चेहरे की तरफ देखा तो मोटी आंसुओं की धार बह रही थी।
वो लगातार मुझसे कह रही थी- अब छोड़ दो, मैं मर जाऊँगी, बहुत दर्द हो रहा है !

अब मैं उसी पोजीशन में उसके ऊपर लेट गया और उसके आंसुओं को अपने होंठों से साफ़ किया, फिर उसके होंठों को चूसने लगा। इससे उसका चिल्लाना भी कम हुआ और कुछ ध्यान बंटा।

अपने दोनों हाथों से मैं अंजलि की चूचियों को सहलाने लगा। इसी बीच मैंने एक जोर से धक्का अपनी कमर से मारा, जिससे मेरा करीब पूरा लंड अंजलि की चूत में समां गया, चूंकि अंजलि के होंठ मेरे होंठों से दबे थे उसकी चीख तो नहीं निकल पाई, लेकिन वो बहुत तेज कसमसाई।
2-4 सेकंड रुक कर मैंने अपनी कमर को ऊपर-नीचे करने के लिए हिलाना चाहा, पर अंजलि की चूत इतनी कसी हुई थी कि मेरा लंड हिल भी नहीं सकता था।

खैर.. मैंने एक और जोर का धक्का मारा, अब मेरा पूरा लंड अंजलि की कुंवारी चूत में समा गया था। अचानक मुझे लगा कि मैं झड़ जाऊँगा।
अंजलि की कुंवारी चूत एकदम गरम भट्टी की तरह मेरे लंड को जलाए दे रही थी। कंट्रोल कर पाना मुश्किल था, तभी मुझे लगा कि अंजलि का बदन अकड़ रहा है, उसने अपने हाथ से मेरी पीठ को इतना कस कर जकड़ा कि उसके नाखून मेरी पीठ में चुभ रहे थे।तभी मुझे अपने लंड के झड़ने का भी अहसास हुआ।

मेरी कमर ने 2-3 हिचकोले खाए और लंड ने पूरा लावा अंजलि की कुंवारी चूत में ही उगल दिया।
हम दोनों उसी अवस्था में थोड़ी देर लेटे, फिर अंजलि ने अपने हाथ से मुझे अपने ऊपर से हटाने की कोशिश की, तो मैं हट गया।

उसने उठने की कोशिश की, पर उठ नहीं पाई। मैंने देखा कि उसकी चूत का बुरा हाल था, दोनों फांकें फूल कर पाव की तरह हो गई थीं और उसकी चूत से अभी भी खून निकल रहा था जोकि उसकी जाँघों से होकर नीचे जमा हो रहा था।

मैं तुरंत उठा एक अखबार उठा कर बेड की चादर उठा कर उसके नीचे रख दिया, जिससे कि खून गद्दे में ना जाने पाए और एक पुराना कपड़ा लेकर मैंने अंजलि की चूत और जाँघों में लगा खून साफ़ कर दिया, वरना वो घबरा जाती।

उसी कपड़े को मैंने उसके चूतड़ उठा कर बिछा दिया। अब खून कहीं दिखाई नहीं दे रहा था।
फिर मैंने अंजलि को सहारा देकर उठाया, उठते ही उसने अपनी चूत को झाँक कर देखा, वहाँ ज्यादा खून न देख कर शायद उसको आश्चर्य हुआ और उसने मेरी तरफ देखा।

अब मैंने उसको अपनी गोद में बिठा लिया और उसके होंठों को चूमना शुरू कर दिया, क्योंकि मैं उसको अभी एक बार और चोदना चाहता था।
मेरे दोनों हाथ उसकी पीठ से होते हुए उसकी चूचियों को सहला रहे थे।

अब मैंने अपनी जीभ को अंजलि के मुँह के अन्दर डाल दिया। पहली बार अंजली ने भी चुम्मन क्रिया में मेरा सहयोग किया। मैंने अपना एक हाथ धीरे से अंजलि की चूत पर लगाया, तो उसने अपने पैरों को थोड़ा और खोल दिया। मैंने अपनी ऊँगली से उसकी चूत की दरार को सहलाया। वो अभी भी वैसी ही टाइट थी, बिल्कुल जरा सा अंतर आया था। अब मेरी उंगली उसकी चूत की दरार में चल रही थी।

मैं उसके 'जी-पॉइंट' को भी सहला देता था। अब अंजलि कुछ जोश के साथ मेरे चुम्बन का जवाब दे रही थी, मेरी जीभ को कस कर चूस रही थी।
मेरा लंड तो टाइट था ही, मैंने अपने हाथ को उसकी चूचियों से हटाया और उसके हाथ को लेकर अपने लंड को पकड़ा दिया।

वो बिना देखे ही उसको सहलाने लगी। उसके नरम हाथों के स्पर्श से मेरे लंड में नई जान आ गई। मैंने अंजलि को थोड़ा पीछे की ओर झुकाया और अपना मुँह उसकी चूची में लगा दिया।

मैंने खूब जोर लगा कर उसकी चूची को पीना शुरू किया और दूसरी चूची को हाथ से मसलना, कमरे में अंजलि की सिसकारियाँ गूंज उठीं। फिर इसी तरह जोर से मैंने उसकी

दूसरी चूची को भी पीया, अब मैंने अंजलि की आँखों में देखा तो मुझे लगा कि वो भी दुबारा चुदाई के लिए तैयार है।

मैंने उसको फिर से लिटा दिया और उसके पैरों के बीच बैठ गया। इस बार मैंने उसके दोनों पैर उठाए और एक तकिया उसकी गाण्ड के नीचे रखा और उसके पैरों को अपने कंधे पर ले लिया।

अंजलि की चूत और मेरे लंड में तेल तो पहले से ही लगा था। मैंने अपने लंड को अंजलि की चूत के मुँह में सैट किया।
वह मेरी तरफ देख कर बोली- ज़रा धीरे से !उस बार मेरी जान निकलते बची थी !
मैंने कहा- अब परेशान मत हो, अब उतना दर्द नहीं होगा !

लंड को सैट करके मैंने अपनी कमर का हल्का सा धक्का दिया तो इस बार लंड फिसला नहीं बल्कि चूत में थोड़ा सा चला गया।
अंजलि थोड़ा कसमसाई, पर पकड़ मजबूत थी। मैंने तुरंत दूसरा जो से धक्का मारा, इस बार लंड टाइट चूत की दीवारों को रगड़ता हुआ आधा घुस गया।
अंजलि बोली- भैया, अब बस इससे ज्यादा मत घुसेड़ो… मेरी चूत में बहुत दर्द हो रहा है !

मैंने कहा- देखो, पहले तो अब भैया कहना बंद करो, क्योंकि अब तुम्हारी चूत में मेरा लंड घुसा है… और रही दर्द की बात, तो अभी ख़त्म हो जाएगा !
यह कहते हुए मैंने एक जोर का धक्का अपनी कमर से मारा, अबकी मेरा लंड पूरी तरह अंजलि की चूत में घुस गया। वो बड़ी तेज चीखी और अपना सर झटकने लगी, मैं उसी पोजीशन में रुक गया।

मैं अपने हाथों से उसके गालों को सहला रहा था, 2-4 सेकण्ड के बाद मैंने बहुत धीरे से अपनी कमर को हिलाने की कोशिश की, फिर थोड़ा और हिलाया। इस तरह मैंने बहुत ही

संभाल कर अपनी कमर को आगे-पीछे करना शुरू किया।

मैंने देखा कि अंजलि भी कुछ सामान्य हो रही थी, फिर मैंने थोड़ा सा जोर लगाकर धक्के लगाने शुरू किए। अंजलि की टाइट चूत में मेरा लंड बिल्कुल जकड़ा हुआ चल रहा था।

अब शायद अंजलि को कुछ अच्छा लगा क्योंकि अब वो चुप हो गई थी। मैंने उसके बाल सहलाते हुए पूछा- जान.. अब कैसा लग रहा है ?
मेरे मुँह से अपने लिए 'जान' सुन कर पहले तो उसने मेरी आँखों में देखा, फिर उसने अपने हाथ मेरी पीठ पर कस दिए और अपनी आँखें बंद कर लीं।

अब मैंने अपने धक्कों की स्पीड थोड़ा बढ़ा दी, मुझे ऐसा लगा जैसे अंजलि भी अपनी कमर को थोड़ा बहुत हिलाने की कोशिश कर रही है।

मैं और जोश में आ गया और इस बार मैंने करीब अपना आधा लंड बाहर करके स्पीड के साथ अंजलि की चूत में घुसेड़ दिया।
अंजलि एकदम चिहुंक गई, आँखें खोल कर मेरी तरफ देखा और बोली- क्या जान की जान ही ले लोगे आज ?
मैंने उसको चूमते हुए कहा- नहीं मेरी जान !

फिर आराम से धक्के पर धक्के लगते रहे, अब कमरे में अंजलि की चीखों की जगह उसकी सिसकारियाँ और मेरी तेज-तेज साँसें सुनाई दे रही थीं।
अचानक मुझे लगा कि अंजलि की पकड़ मेरी पीठ पर टाइट होती जा रही है। उसके नाखून मेरी पीठ में धंसने लगे, मैं समझ गया कि यह अब झड़ने वाली है। मैंने भी अपने धक्कों की स्पीड को बढ़ा दिया, अचानक हम दोनों के बदन थरथराये, हम एक साथ ही झड़ने लगे।

मेरे लंड से गरम-गरम लावा निकल कर अंजलि की चूत में भरने लगा। हम दोनों ने एक-दूसरे को बहुत ही जोर से जकड़ लिया।
दोस्तो, हम दोनों उसी अवस्था में करीब आधे घंटे तक बिल्कुल नंगे एक-दूसरे से लिपटे हुए लेटे रहे।

फिर मैं उठा, बाथरूम में जाकर अपनी जांघों वगैरह में लगे खून को साफ किया, फिर अंजलि को गोद में उठा कर बाथरूम में ले जा कर उसकी सफाई की। उसको बेड पर लिटाने के बाद, मैंने रसोई में से एक गिलास दूध गुनगुना करके अंजलि के पास आया।

उसको अपनी गोद में बिठा कर दूध पिलाया, थोड़ा सा मैंने भी पिया।
फिर मैंने उससे कहा- जान अब धीरे से उठो और कपड़े पहनो !
क्योंकि बेड भी सही करना था।

खैर… अंजलि धीरे से उठी, अपने कपड़े पहने, मैंने भी पहन लिए, फिर उसने बेड से चादर हटाई, पेपर हटाए और दूसरी चादर बिछा कर बेड सही कर दिया।
अब मैंने उसको गले से चिपका कर पूछा- जान कैसा लगा तुमको ?
तो वो भी मेरे सीने से चिपक गई और बोली- जैसा प्रिया ने बताया था, उससे बहुत अच्छा !

मैंने उसके चहरे पर बहुत सी चुम्मी ले डालीं। उसने भी मुझे उसी तरह जवाब दिया।
मैंने घड़ी देखी, प्रिया के स्कूल से आने का समय हो गया था।
मैंने अंजलि को कहा- मैं अभी जा रहा हूँ ! और यह कह कर मैं अपने पोर्शन में आ गया।

यह थी मेरी फुफेरी बहन अंजलि की सील तोड़ने की सच्ची कहानी। आपको कैसी लगी ?
ईमेल द्वारा अवश्य बताइएगा।
amitchoduknp@gmail.com

Other stories you may be interested in

जीजा ने मुझे रंडी बना दिया-9

कहानी के पिछले भाग में मैंने बताया था कि दोनों सेठ जो जीजा के दोस्त थे वो दोनों के दोनों ही नंगे होकर मेरे जिस्म से लिपटने लगे थे. उन्होंने मुझे नंगी करने के लिए खड़ी कर दिया था. उसके […]
Full Story >>>

छोटी बहन को अपने पति से चुदवा दिया-2

जीजा साली चुदाई कहानी का पहला भाग : छोटी बहन को अपने पति से चुदवा दिया-1 मेरी छोटी के बहन के बड़े बड़े दूधों को दबा कर मैंने उसको इतना गर्म कर दिया था कि उसकी चूत में उठी वासना गर्मी […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-42

गौरी को अपनी गोद में उठाये हुए मैं बड़े वाले सोफे की ओर आ गया। गौरी ने अपने घुटने मोड़ दिए और डॉगी स्टाइल में हो गई। लंड थोड़ा तो बाहर निकला था पर आधा तो अन्दर ही फंसा रहा […]
Full Story >>>

सहेली के भाई ने दीदी की बुर चोदी-6

[responsivevoice_button voice="Hindi Male" buttontext="यह कहानी सुनें" आपने अब तक की मेरी इस सेक्स कहानी में पढ़ा था कि साकेत भैया मेरी दीदी का पहला बुर चोदन करने की पूरी तैयारी कर चुके थे. अब आगे : तभी मैंने देखा कि दीदी […]
Full Story >>>

छोटी बहन को अपने पति से चुदवा दिया-1

मेरा नाम साक्षी है. उस दिन मैं अपनी छोटी बहन श्वेता के बेटे का पहला जन्मदिन मनाने के लिए उसके ससुराल में गई हुई थी. मेरी बहन की यह पहली औलाद थी. घर का चिराग एक साल का हो जाने […]
Full Story >>>